

**An hon. Member:** Has the Minister read it?

**Mr. Speaker:** There is a supplementary coming as to whether the Minister has read this book.

**Shri L. N. Mishra:** I have read a part of it and not the whole of it. (Interruption).

**Mr. Speaker:** The Members are very inquisitive to know whether he has got it and whether he can lend that book to them.

**श्री ल० ना० मिश्र :** मंत्रालय में यह किताब हमारे पास है और अगर जरूरत हो तो मैं उसे दे सकता हूँ।

**श्री काशी राम गुप्त :** मंत्री महोदय ने बतलाया कि विधि मंत्रालय के मुद्दाव के आधार पर उन्होंने इस पुस्तक को प्रोस-क्राइब नहीं किया है। तो मैं जानना चाहता हूँ कि क्या उन्होंने सरकारी पुस्तकालयों में इस पुस्तक को रखने की इजाजत भी है।

**श्री ल० ना० मिश्र :** यह साधारण बात है कि इसको जन्त नहीं किया गया है। उसको रखना गैर-कानूनी बात नहीं है। इसको धाप कहीं भी रख सकते हैं।

**श्री काशी राम गुप्त :** मैं जानना चाहता हूँ कि सरकारी पुस्तकालयों में वह पुस्तक रखी गई है या नहीं। इस का मंत्री महोदय ने उत्तर नहीं दिया।

**श्री ल० ना० मिश्र :** मैं कहता हूँ कि कहीं भी यह किताब रह सकती है। सरकारी पुस्तकालयों में भी रखी जा सकती है।

**अध्यक्ष महोदय :** माननीय सदस्य जानना चाहते हैं कि क्या गवर्नमेंट ने इस किताब को सरकारी पुस्तकालयों में रखने के लिये कोई ठुपम दिया है।

**श्री ल० ना० मिश्र :** जी नहीं, मेरा जवाब है कि हम ने किसी को आदेश नहीं

दिया कि इस पुस्तक को पढ़ने के लिये कोई प्रोत्साहन दिया जाये।

**श्रीमती जयाशेन शाह :** मैं जानना चाहती हूँ कि इस किताब के बारे में गवर्न-मेंट की अपनी क्या राय है। क्या वह किताब को बैं बनाने लायक समझते हैं या नहीं या सिर्फ विधि मंत्रालय की सूचना के अनुसार बच रहे हैं ?

**श्री ल० ना० मिश्र :** हम ने जांच करवाई थी और इस में बहुत सी ऐसी बातें हैं जो कि सही नहीं हैं। फिर भी जो कानून है उस के अन्तर्गत कोई चीज नहीं धापी है। उसे हम प्रोसक्राइब नहीं कर सकते। हम इतना ही कर सकते हैं कि लोग उसे पढ़े नहीं और इसके लिये उन्हें कोई उत्साह न मिले।

**Shri Hari Vishnu Kamath:** May I request that question No. 591 may also be taken up along with question No. 570?

**Mr. Speaker:** If it is convenient, the Minister might answer both.

मद्य-निषेध

+

- \* 570. श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :  
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :  
श्री बिश्वनाथ पाण्डेय :  
श्री मुबोध हंसवा :  
श्री ल० चं० सामन्त :  
श्री मुषिया :  
श्री प्र० चं० बरघा :  
श्री डी० चं० शर्मा :  
श्री लिंग देवी :

क्या गृह-कार्य मंत्री 1 अगस्त, 1965 के तारांकित प्रश्न संख्या 71 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मद्य-निषेध जांच समिति के प्रतिवेदन पर अभी तक किन-किन राज्यों की राय प्राप्त नहीं हुई है ;

(ख) क्या राज्य सरकारों से शीघ्र अपनी राय देने के लिये कहा गया है ; और

(ग) इस सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय कब तक हो जायेगा ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री तथा प्रतिरक्षा मंत्रालय में संभरण मंत्री (श्री हाथी) : (क) मद्य-निषेध जांच समिति के प्रतिवेदन पर अभी दो राज्य सरकारों की राय की प्रतीक्षा है।

(ख) जी, हां।

(ग) यथाशीघ्र किसी निर्णय पर पहुंचने का प्रयत्न किया जा रहा है।

#### Prohibition Policy

\*591. Shri Hari Vishnu Kamath: Will the Minister of Home Affairs be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 144 on the 10th November, 1965 and state what advice or direction has been given by the Central Government in regard to prohibition to each of the States in view of the fact that the State Governments are not free to scrap or modify the policy of prohibition with a view to augmenting their financial resources?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs and Minister of Defence Supplies in the Ministry of Defence (Shri Hathi): No direction has been given to the State Governments in regard to prohibition. This question was discussed with the Chief Ministers of States in January 1964 and there was general agreement that the status quo should be maintained in regard to prohibition pending consideration of the Report of the Study Team on Prohibition.

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : जस्टिस टेक चन्द की अध्यक्षता में जो मद्य-निषेध जांच समिति बनाई गई थी उस ने यह सुझाव दिया था कि सारे राष्ट्र में पूर्ण मद्य निषेध किया जाये। तो क्या

सरकार बतलायेगी कि इस सुझाव को मानने में सरकार को क्या कठिनाई है।

श्री हाथी : हम ने इस रिपोर्ट की नकल को सब राज्यों को भेजा था। उन में से 11 राज्यों का जवाब आ गया है। और स्टेट्स का जवाब आना बाकी है। उस के आने के बाद हम चीफ मिनिस्टर्स की कांफ्रेंस करेंगे। उस में इस रिपोर्ट पर चर्चा करेंगे और उस के बाद निर्णय लेंगे कि क्या करना चाहिये इस कमेटी की रिपोर्ट के बारे में।

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : क्या सरकार यह बतलायेगी कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् मद्यपान बढ़ा है या घटा है। अगर बढ़ा है तो क्यों ?

श्री हाथी : अलग-अलग राज्यों में अलग अलग बात हुई है। कहीं बढ़ा है और कहीं कम भी हुआ है।

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : प्रोसत बतला दिया जाये कि सारे भारत में बढ़ा या घटा।

श्री हाथी : इस के आंकड़े मेरे पास नहीं हैं, लेकिन मैं कह सकता हूं कि कहीं कहीं यह बढ़ा भी है।

Shri S. C. Samanta: May I know whether some interim steps have been taken by the Central Government pending the decision to be taken after consultation with the State Governments and, if so, what are they?

Shri Hathi: There is no question of taking interim steps because the Tek Chand Committee's report is divided into two parts—steps to be taken in dry areas and steps to be taken in wet areas; certain steps which they have suggested, for instance, tightening of laws, could not be taken partially; they have to be taken simultaneously after the detailed consideration of the report. Therefore, no interim steps have been taken.